

Dua Khatam Al Quran In Arabic

Dua Khatam Al Quran In Arabic

اللَّهُمَّ ارْحَمْنِي بِالْقُرْآنِ وَاجْعَلْهُ لِي إِمَامًا وَنُورًا
وَهْدًى وَرَحْمَةً، اللَّهُمَّ ذَكِّرْنِي مِنْهُ مَا
نَسِيتُ، وَعَلِّمْنِي مِنْهُ مَا جَهِلْتُ، وَارْزُقْنِي تِلَاوَتَهُ
آثَاءَ اللَّيْلِ وَأَطْرَافِ النَّهَارِ، وَاجْعَلْهُ لِي
حُجَّةً يَا رَبَّ الْعَالَمِينَ

Translation

"ऐ अल्लाह! मुझे पर कुरआन के ज़रिए रहमत नाज़िल
फ़रमा, और इसे मेरे लिए पेशवा, रौशनी, हिदायत और
रहमत बना दे।

ऐ अल्लाह! मुझे उसका वो हिस्सा याद दिला जो मैं भूल
गया हूँ, और मुझे उसका ज्ञान दे जिसका मुझे पता नहीं था।
मुझे रात-दिन के समय इसकी तिलावत करने की तौफ़ीक़
अता फ़रमा, और इसे मेरे लिए क़यामत के दिन हुज्जत बना
दे, ऐ सारे ज़हानों के पालनहार!"

Dua Khatam Quran In Hindi

Dua Khatam Quran In Hindi

अल्लाहुम्म अरहमनी बिल-कुरआन वजअल्हु ली इमामन व
नूरन व हुदन व रहमतन,
अल्लाहुम्मा ज़क्किरनी मिन्हु मा नसीतु, व अअल्लिमनी
मिन्हु मा जहिलतु,
वरज़ुकनी तिलावतहु आना-अल्लैलि व अत्राफ़-अन्नहार,
वजअल्हु ली हुज्जतन या रब्बल-आलमीन।

Translation

"ऐ अल्लाह! मुझे पर कुरआन के ज़रिए रहमत नाज़िल
फ़रमा, और इसे मेरे लिए पेशवा, रौशनी, हिदायत और
रहमत बना दे।

ऐ अल्लाह! मुझे उसका वो हिस्सा याद दिला जो मैं भूल
गया हूँ, और मुझे उसका ज्ञान दे जिसका मुझे पता नहीं था।
मुझे रात-दिन के समय इसकी तिलावत करने की तौफ़ीक़
अता फ़रमा, और इसे मेरे लिए क़यामत के दिन हुज्जत बना
दे, ऐ सारे ज़हानों के पालनहार!"

Dua For Khatam Quran In English

Dua For Khatam Quran In English

Allahumma Irhamni Bil-qur'ani Waj'alhu Li
Imaman Wa Nooran Wa Hudan Wa
Rahmatan.

Allahumma Zakkirni Minhu Ma Naseetu
Wa 'allimni Minhu Ma Jahiltu,
Warzukni Tilaawatahu Aanaa'al-layli Wa
Atraaf An-nahaar,
Waj'alhu Li Hujjatan Ya Rabbal-'aalameen.

Translation

"O Allah, have mercy on me by the virtue of the Quran, and make it for me a guide, light, and source of mercy. O Allah, remind me of what I have forgotten from it and teach me what I am ignorant of. Provide me with the ability to recite it during the hours of the night and the ends of the day, and make it an argument in my favor, O Lord of the worlds."

Dua Khatam Al Quran

Dua Khatam Al Quran

In Hindi, Urdu & English

دُعَاءُ خَتْمِ الْقُرْآنِ الْعَظِيمِ

اَللّٰهُمَّ اَنْسْ وَحَشِيَّتِيْ فِيْ قَبْرِىْ. اَللّٰهُمَّ اَرْحِنِيْ بِالْقُرْآنِ الْعَظِيْمِ
وَاجْعَلْهُ لِيْ اِمَامًا وَنُوْرًا وَهُدًى وَرَحْمَةً. اَللّٰهُمَّ ذَكِّرْنِيْ مِنْهُ
مَا نَسِيْتُ وَعَلِّمْنِيْ مِنْهُ مَا جَهِلْتُ وَارْزُقْنِيْ تِلَاوَتَهٗ اِنْ اَنْاءَ
الَّيْلِ وَاِنْ اَنْاءَ النَّهَارِ وَاجْعَلْهُ لِيْ حُجَّةً يَّا رَبَّ الْعٰلَمِيْنَ.

[itti-haaf Vol.4, Pg. 496]